



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5]  
No. 5]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 27, 1984/माघ 7, 1905  
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 27, 1984/MAGHA 7, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

कार्यालय, महापत्रक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन-रेज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

जयपुर, 19 जनवरी, 1984

आदेश संख्या : राज. /महा. अ. (अर्जन) 2309. —यतः मुझे,  
मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य  
25,000 - रु. में अधिक है और जिसकी प्लॉट नं. सी-  
254 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाकृष्ट अन्-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्वटीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जयपुर में, राजस्वटीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 30 अप्रैल, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या संयम  
बचने में सुविधा के लिए ; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शिवपूजन त्रिपाठी, पुत्र श्री अम्बिका त्रिपाठी,  
निवासी प्लॉट नं. 254, पत्रकार कालोनी, मोती  
बूंगरी, जयपुर ;  
—(अन्तरक)
- (2) श्री रविन्द्र कुमार पारीक, पुत्र श्री राम सहाय पारीक,  
निवासी पंचेवर का रास्ता, रामगंजबाजार, जयपुर,  
व अरविन्द कौशिक, पुत्र एन. के. कौशिक, बी-3,  
शाम्शरी नगर, जयपुर ;  
—(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के

सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जयपुर नगर, मोती झूंगरी एक्सटेंशन पत्रकार कालोनी में प्लॉट नं. सी-254 जिसका क्षेत्रफल 566 वर्गगज है और जो उप पीजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 921 दिनांक 30 अप्रैल, 1983 पर पीजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 19 जनवरी, 1984

### MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Notice under Section 269-D (1) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) Acquisition Range

Jaipur, the 19th January, 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.) 2309.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. C. 254 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shivpujan Tripathi, S/o Sh. Ambica Tripathi, R/o Plot No. 254|Patkar Colony, Moti Doongri Road, Jaipur.  
(Transferor)

- (2) Shri Ravinder Kumar, S/o Shri Ram Sahai Pareek, R/o Panchewar ka Rasta Ram Ganj Bazar, Jaipur and Arvind Kaushik, S/o N.K. Kaushik, R/o B-3, Shastri Nagar, Jaipur.

(Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Plot No. C-254 measuring 566 sq. yds. situated at Patkar Colony, Moti Dhongri Road and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 921 dated 30th April, 1983.

MOHAN SINGH, Competent Authority  
Assistant Commissioner of Income-tax  
(Inspection)

Date : 19-1-84